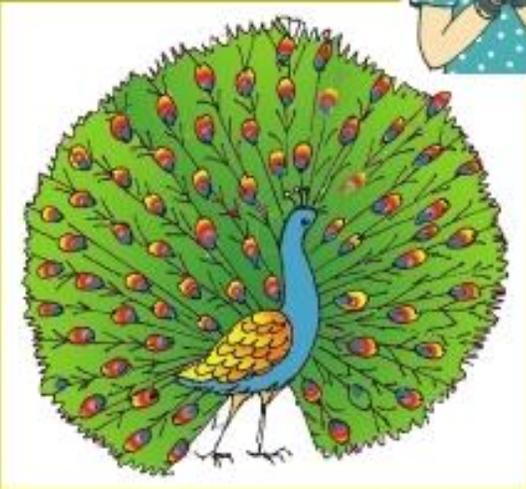
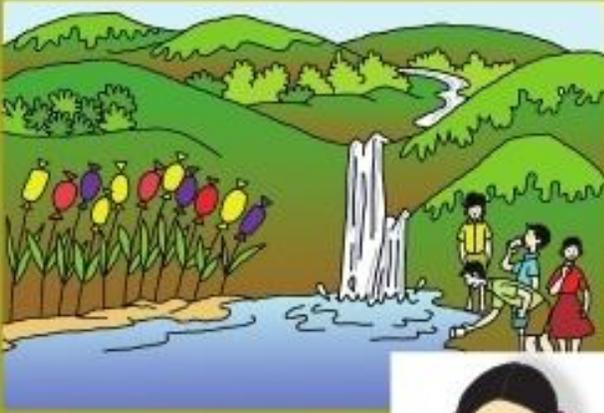




हिंदी सुगमभारती

पाँचवीं कक्षा





श्री
सुगमभारती
पाँचवीं कक्षा



श्री गणेशाय नमः

प्रथमावृत्ति : २०१

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व प्रकाशन विभाग, पुणे - ४११ ४०५
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व प्रकाशन विभाग, पुणे - ४११ ४०५
पुणे विनिर्माण प्रकल्प

निर्माता

डॉ. चंद्रदेव कवडे-अध्यक्ष, डॉ. हेमचंद्र वैद्य-सदस्य,
डॉ. साधना शाह-सदस्य, श्री रामनयन दुबे-सदस्य,
श्री रामहित यादव-सदस्य, श्री कौशल पांडेय-सदस्य,
प्रा. मैनोद्दीन मुल्ला-सदस्य,
डॉ. राजेश रंजण-सदस्य

निर्माता

डॉ. रामजी तिवारी, डॉ. सूर्यनारायण रणमुभे,
प्रा. अनुया दळवी, श्री संजय भारद्वाज,
डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र, डॉ. दयानंद तिवारी,
श्री अनुराग त्रिपाठी, श्री राजेंद्रप्रसाद तिवारी,
श्री उमाकांत त्रिपाठी, प्रा. निशा बाहेकर,
डॉ. आशा मिश्रा, डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर,
श्रीमती मंगला पवार, श्री नरसिंह तिवारी

संशोधक

डॉ. अलका पोतदार, विशेषाधिकारी हिंदी,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

संशोधक

सौ. संध्या विनय उपासनी, विषय सहायक हिंदी,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

संशोधक

डॉ. राजेश रंजण, प्रा. राजेश रंजण,
प्रा. राजेश रंजण

संशोधक

डॉ. निरंजन, प्रा. निरंजन,
संदीप आजगांवकर, निर्माता

संशोधक

डॉ. राजेश रंजण, प्रा. राजेश रंजण,
प्रा. राजेश रंजण

संशोधक

डॉ. राजेश रंजण

संशोधक

डॉ. राजेश रंजण, प्रा. राजेश रंजण,
प्रा. राजेश रंजण

डॉ. राजेश रंजण, प्रा. राजेश रंजण,
प्रा. राजेश रंजण

प्रस्ताव

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व प्रकाशन विभाग, पुणे - ४११ ४०५
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व प्रकाशन विभाग, पुणे - ४११ ४०५
पुणे विनिर्माण प्रकल्प

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व प्रकाशन विभाग, पुणे - ४११ ४०५
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व प्रकाशन विभाग, पुणे - ४११ ४०५
पुणे विनिर्माण प्रकल्प



(चं. रा. बोरकर)

संचालक

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ पुणे-०४

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ पुणे-०४

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख
26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो
हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत,
अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।

राष्ट्रगीत

जनगणमन - अधिनायक जय हे

भारत - भाग्यविधाता ।

पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,

द्राविड, उत्कल, बंग,

विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,

उच्छल जलधितरंग,

तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,

गाहे तव जयगाथा,

जनगण मंगलदायक जय हे,

भारत - भाग्यविधाता ।

जय हे, जय हे, जय हे,

जय जय जय, जय हे ॥

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-
बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की
समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं
पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन
परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता
मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों
का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से
सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने
देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा
रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में
ही मेरा सुख निहित है ।



* / ि ट *



ट

। . ट ट ट ः । .

। . ट ट ट ः । .

- * आओ खेलें १
१. वन की सैर २
२. हवा ३
३. विचित्र आदमी ४
४. कश्मीरा ५
५. पहचान हमारी- भाग (१) ६, ७
६. बधाई कार्ड ८
७. करो और जानो ९



८. माँ १०
९. मोती जैसे दाँत ११
१०. मित्रता १२
११. पहचान हमारी- भाग (२) १३, १४
१२. व्यायाम १५
१३. बोलो और जानो १६
- * पुनरावर्तन १, २ १, १८



र ट

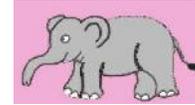
। . ट ट ट ः । .

। . ट ट ट ः । .

१. गाँव और शहर १९
२. लालची कुत्ता २०
३. खिचड़ी २१
४. रोबोट २२
५. जुड़ें हम २३, २४
६. बोध २५
७. मुझे पहचानो २६
८. मुझे जानो २
९. भारत २८

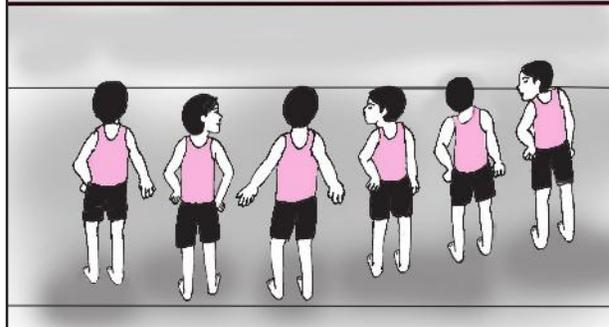
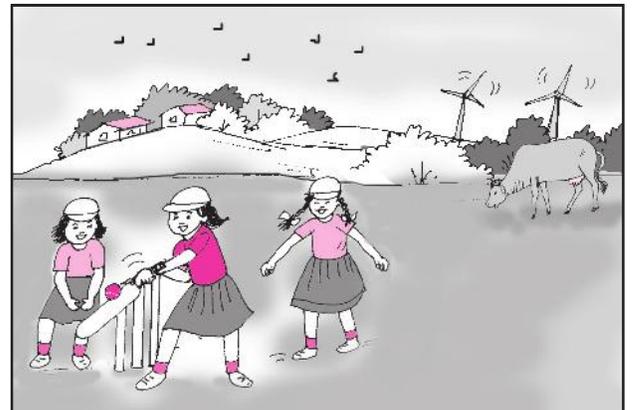
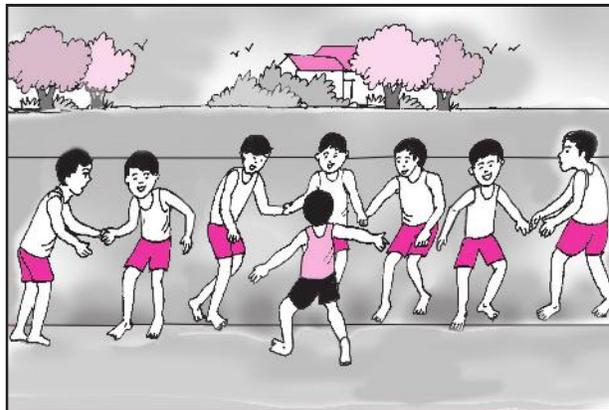
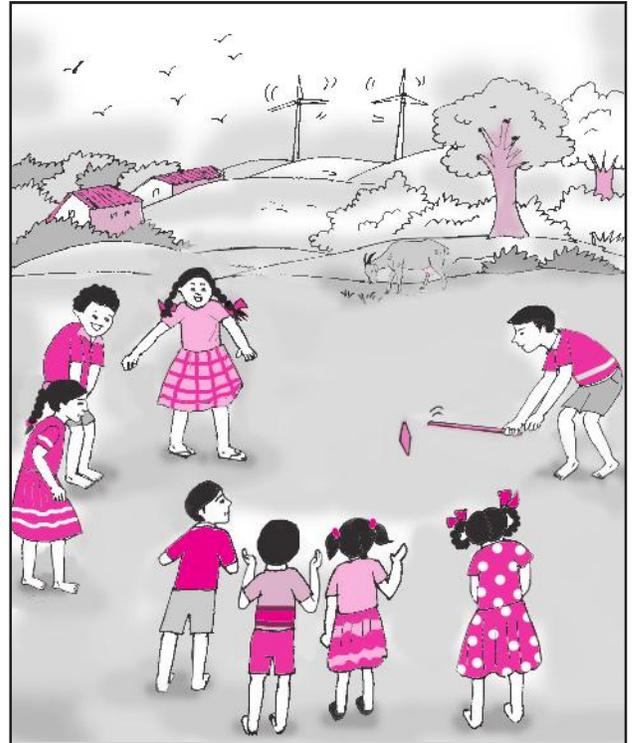
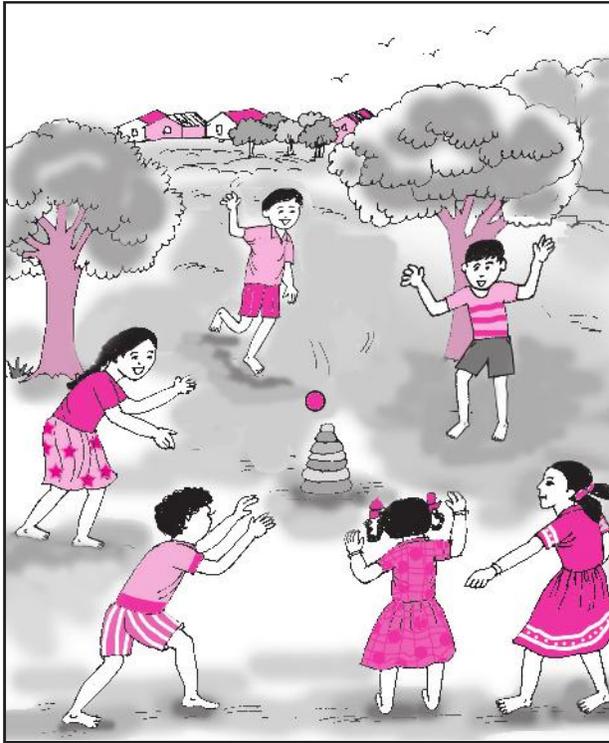


१०. उलझन २९
११. राष्ट्रीय त्योहार ३०
१२. हम अलग - रूप एक ३१
१३. (अ) समान - विरुद्ध ३२
- (ब) छुक-छुक गाड़ी ३३
१४. निरीक्षण ३४
१५. चलो-चलें ३५
- * पुनरावर्तन ३, ४ ३६, ३
- * शब्दार्थ, उत्तर ३८



● पहचानो और बताओ :

✳ आओ खेलें



□ आओ पहचानो और बताओ : निम्नलिखित चित्रों में कौन-कौन से खेलें दिखाई दे रहे हैं। उनके नाम बताओ, और इन खेलों में किसे किसे खेलना चाहिए।

● देखो और बनाओ :



संदेश - माँ, मुझ माँ की जन्मदिन, मैं, मैं, मैं, मैं, मैं, मैं, मैं।



संदेश
 पूज्य नानी जी,

 सादर प्रणाम ।
 जन्मदिन की बधाई !

 आपका/आपकी,
 प्रिय नाती/नातिन

 हर्षल/प्रज्ञा

निर्देश : माँ का दू" x " आकार का कागज काट लें। उसके चारों ओर से माँ की तस्वीर काटें। माँ की तस्वीर काटने के बाद उसे कागज के बीच में चिपका दें।

□ माँ की तस्वीर काटने के बाद उसे कागज के बीच में चिपका दें। माँ की तस्वीर काटने के बाद उसे कागज के बीच में चिपका दें।

● देखो और समझो :

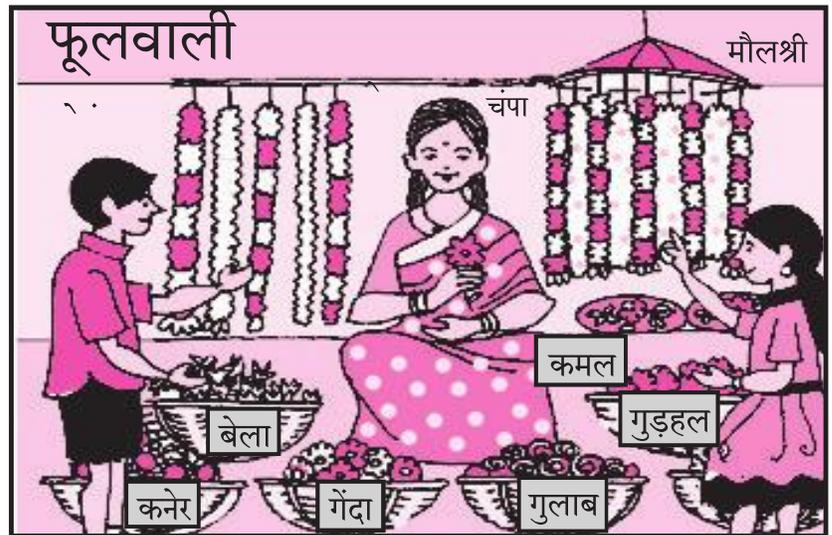
रो रो रो



रो रो रो ।



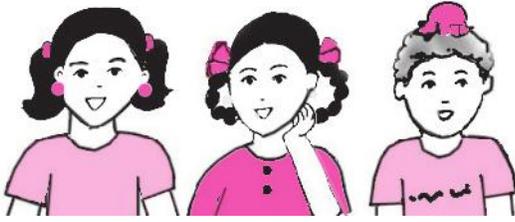
रो रो ।



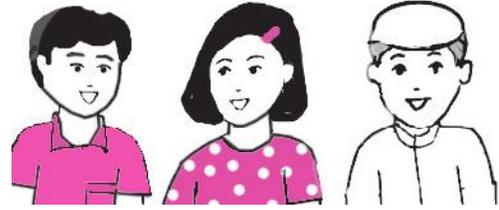
रो रो ।

□ विभिन्न प्रकार के फल और सब्जियाँ हमें स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती हैं। हमें इन सब्जियों और फलों को खाने से बचना चाहिए।

● सुनो और गाओ :

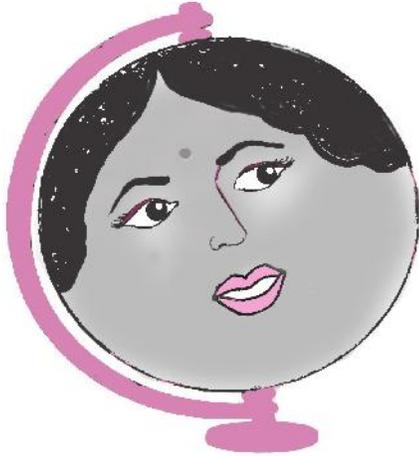


. माँ



प्रति प्रा ो ॥
ँ ता ो ॥

ता तारो ॥
ती तारो ॥
र, , ो ॥
ँ ता ो ॥



स रों जी ो ता ॥
ना तार ता ॥
, नू ो ॥
ँ ता ो ॥

ँ, ्स ो ॥
ँ ता ो ॥

- रमेश यादव



१. कोष्ठक के उचित वर्ण से रिक्त स्थान भरों : (ग, सु, आ, रों, सं, ऐ, ति, रू, नू, जी, धा)

—, —, जो—, —, —न, —सा—, —र, — ।

२. उत्तर लिखो :

() ता नै ?

() ँ ति जी ो ता नै ?

□ ि ि ो ि न नू नै र उ नै ो रा ॥ ा ि न े ा नै े ि े ॥ ि ि त्ता ि रे न ा ि रे उ ि े ॥ ि ि ि े ि ि त्ता र रे े े ी र्ा ॥

● सुनो, दोहराओ और बताओ :



९. मोती जैसे दाँत



अथर्व के जन्मदिन का निमंत्रण पाकर बैंगनी परी अपने देश से आई थी। परी ने अथर्व को 'जियो हजारों साल' कहा और उसे परी देश के बैंगनी रंग के खूब सारे चॉकलेट दिए। "धन्यवाद परी!" अथर्व ने कहा। परी मुस्कुराकर बोली, "मैं जानती हूँ, सारे बच्चों की पसंद चॉकलेट है। हमारे यहाँ तो चॉकलेटों की खेती और शीत पेय के झरने हैं।"

अथर्व ने परी से पूछा, "बैंगनी परी! क्या आप मुझे अपने साथ परी देश दिखाने ले चलेंगी?" "अरे! क्यों नहीं, जरूर ले चलूँगी।" परी ने कहा। बैंगनी परी अथर्व को लेकर परी देश के लिए उड़ चली। परी देश देखकर अथर्व बहुत खुश हुआ।

उसने देखा कि परी देश के बच्चे झरने के पास जाकर शीत पेय पीते हैं और खेतों से चॉकलेट तोड़कर खाते हैं। यह देखकर अथर्व खुशी के मारे खिल-खिलाकर हँस पड़ा। वह कुछ बच्चों के पास गया और उनसे हाथ मिलाकर बोला, "दोस्तो! मैं अथर्व हूँ। पृथ्वी लोक से बैंगनी परी के साथ आया हूँ।" 'स्वागत है मित्र' कहकर वे बच्चे भी हँसे पर

वे अथर्व के दूध-से सफेद, मोती-से चमकीले दाँत देखकर हैरान रह गए। अथर्व उन बच्चों के काले-पीले, टूटे-फूटे दाँत देखकर चकित था।

अचानक उसे डॉक्टर चाचा की बात याद आ गई। उन्होंने कहा था, "अथर्व बेटा! शीत पेय मत पीना। चॉकलेट, चुईगम मत खाना। नहीं तो तुम्हारे दाँत खराब हो जाएँगे।"



अथर्व बुदबुदाया, 'इसी कारण इस देश के बच्चों के दाँत खराब हैं। यह तो बुरी बात है।' तभी उसे लगा; कोई उसे झँझोड़कर जगा रहा है। आँखें खोलीं तो देखा, माँ उसे जगा रही थीं और कह रही थीं, "उठो बेटा अथर्व! आज विद्यालय नहीं जाना है क्या?" अथर्व माँ के मोती जैसे चमकते दाँत देख रहा था।

- डॉ. आ. शर्मा



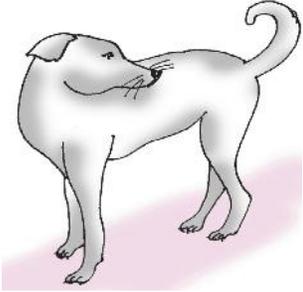
उत्तर दो :

१. निनि ताता?
२. नरने ताता?
३. रने ताता?
४. राने ताता?

□ प्रश्नों के उत्तर नीचे दिए गए हैं। प्रश्नों के उत्तर लिखें।
 १. निनि ताता? २. नरने ताता? ३. रने ताता? ४. राने ताता?

● 'रे' और 'रा' के शब्द:

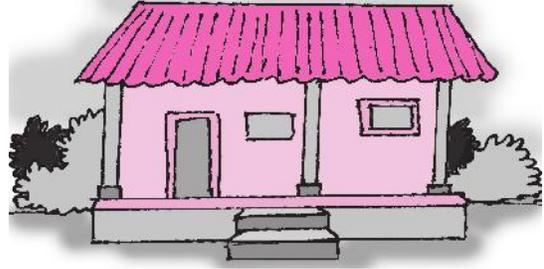
१. रे और रा



रुत



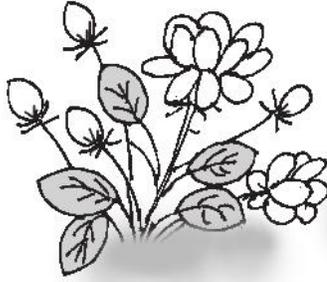
रुतरा



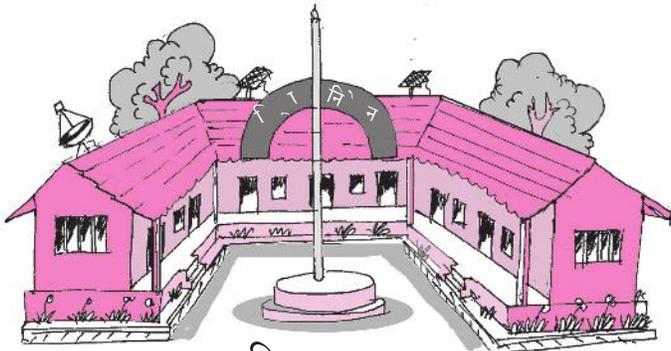
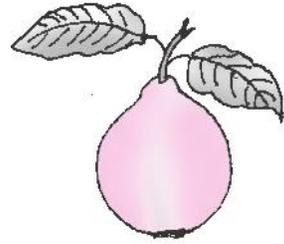
र



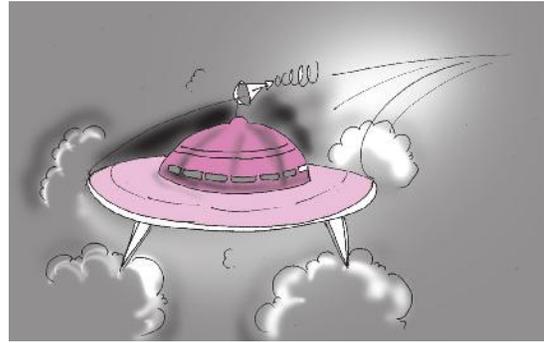
रुस



रुत



विद्यालय



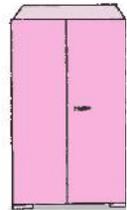
उड़नतश्तरी



रुति



रुस



रुतर

□ र किन्ने और उन्ने किने का अर्थ है। र के अर्थ में 'रुत' और 'रुतरा' के अर्थ हैं।
 प्रत्येक शब्द में 'रे' और 'रा' के अर्थ हैं। र के अर्थ में 'रुस' और 'रुति' के अर्थ हैं।
 निम्नलिखित शब्दों में 'रे' और 'रा' के अर्थ हैं।



* पुनरावर्तन - १ *

१. सुनो और दोहराओ :

न- न, र- र, उन- न, आ- आ, ए- ए, आ- आ, उ- उ, आ- आ, ऐ- ऐ, आ- आ, ऐ- ऐ, र- र, आ- आ, ऐ- ऐ, आ- आ, उ- उ, ऐ- ऐ, र- र ।

२. 'रे' को 'रै' में 'र' और 'रै' को 'रे' में 'र' लिखो ।

३. 'रे' से 'रै' को :

ध्वजा, कमल, शिपही, सुखीना, खया, चूपुर, हृदय, गिरगिट, जाला

४. दिए गए प्राणि में 'रै' उ 'र' उ लिखो ।



५. 'रै' और 'र' के शब्दों में 'र' लिखो ।

कृति/उपक्रम

किसी कार्यक्रम में
पहेलियाँ/
चुटकुले सुनाओ ।

अपना और
अपने परिवार
का परिचय दो ।

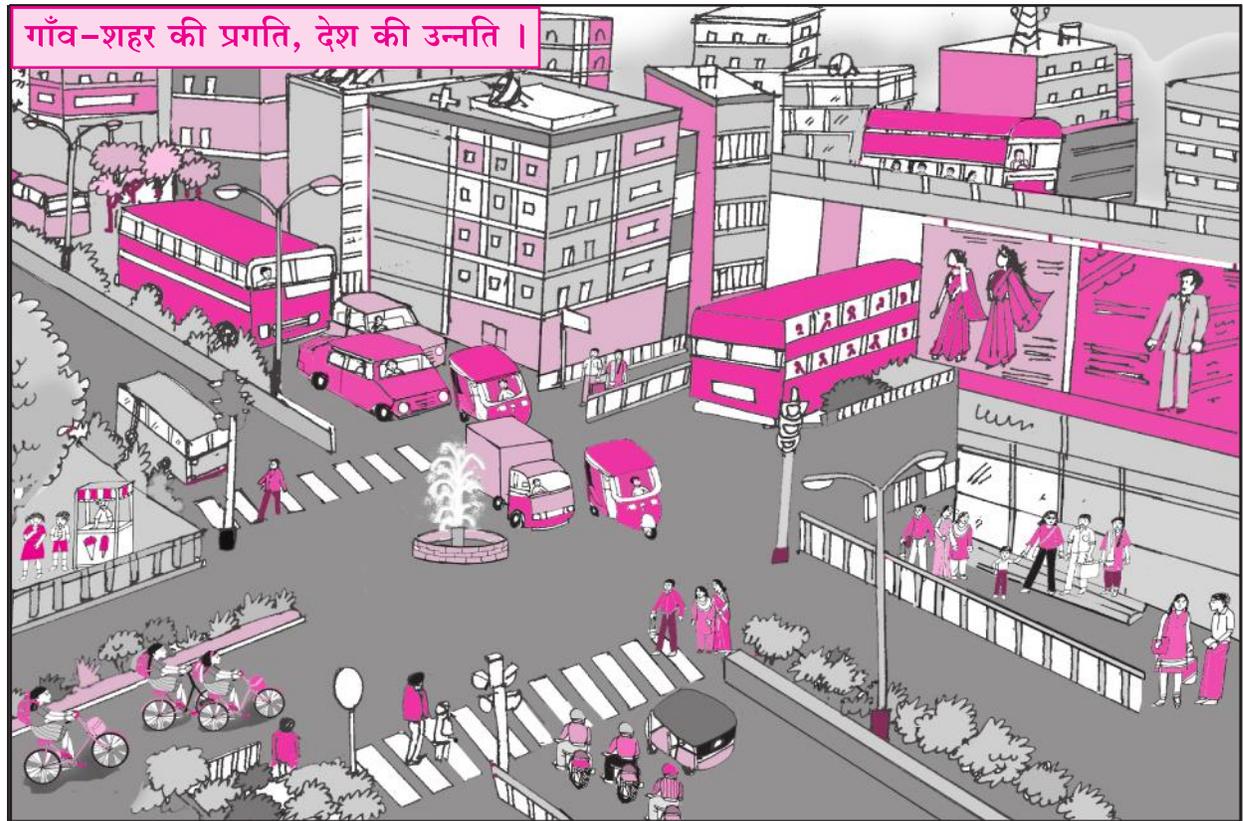
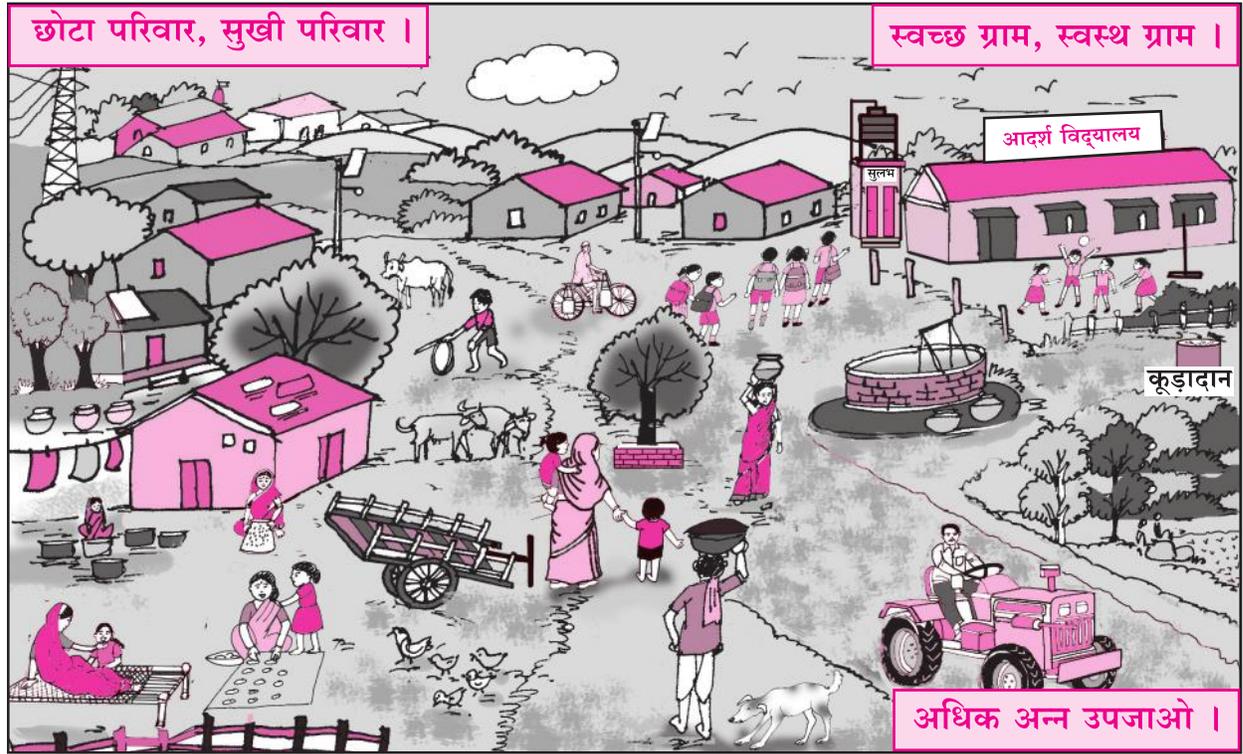
परिसर में लगी
तख्तियों से
मात्रावाले शब्द
पढ़ो ।

समाचारपत्र में छपे
बिना मात्रावाले
वर्णों के नीचे रेखा
खींचो ।

● े, े रै र्ाे:

१. गाँव और शहर

र र्ाे



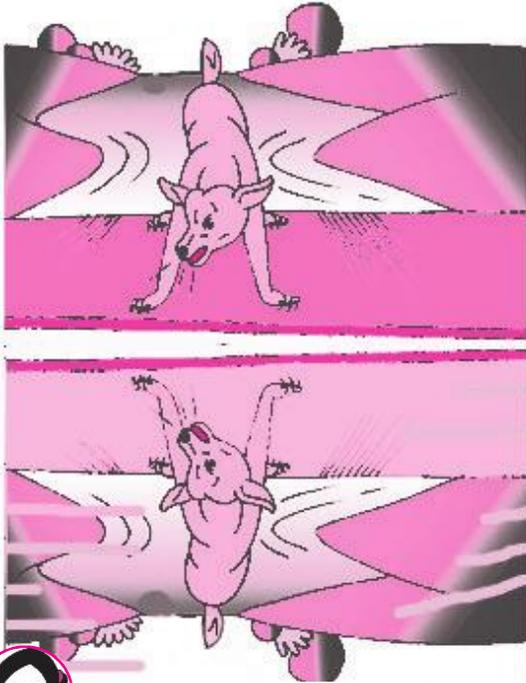
□ गाँव और शहर के विकास में प्रेरित करने वाले कारक हैं। प्रश्नोत्तर द्वारा नीचे जानें। प्रश्न और उत्तर दें।

● दो शेरगाथें :



२. लालची कुत्ता

कुत्ता जो कुत्ता,
 आता है रसो,
 रास्ते में उठे,
 न कुत्ता तो।
 जाने उठारने,
 राता रास,
 उठारना,
 रना रास रा।
 न जाने कुत्ता,
 उठारना तो,



उठारना कुत्ता रो,
 रातो - तो।
 जाने उठारना,
 उठारना रासि रासि?
 जाने उठारना,
 रासि रासि न।
 जाने उठारना ने;
 रासि रासि,
 तो! तो ननू;
 रासि रासि।
 -प्रार



पढ़ो और विरामचिहनों को समझो :

पूर्विका (।), लरिका (,), प्रश्निका (?), स्वरिका (!), ररिका (;)

१. न कुत्ता तो।

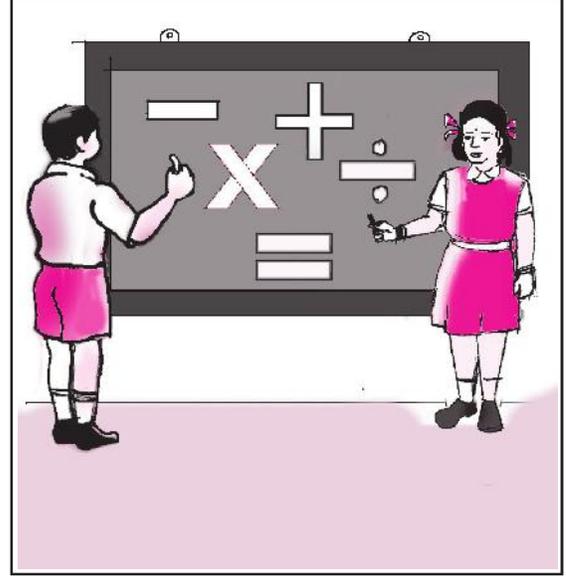
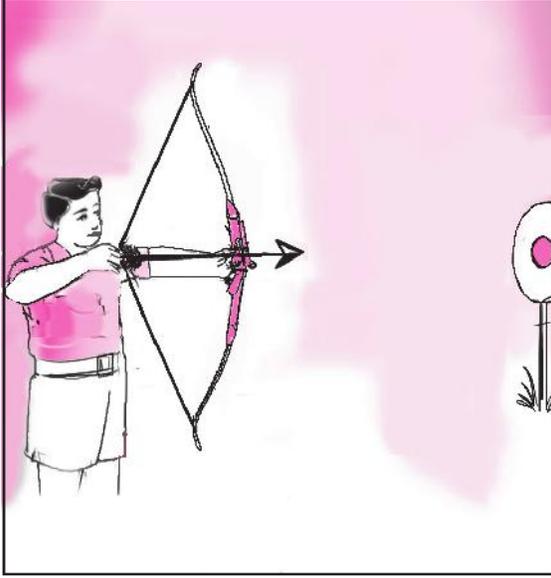
३. जाने उठारना ने; रासि रासि,

२. उठारना रासि रासि?

४. तो! तो ननू; रासि रासि।

□ उठारना, रासि - रासि - जाने उठारना रासि रासि। स्वरिका (!) ने कुत्ता रो।
 लरिका (,) ने कुत्ता रो। प्रश्निका (?) ने कुत्ता रो। ररिका (;) ने कुत्ता रो।

● पहचानो और बताओ :



* सुनो और दोहराओ :



र ल ा ओ ।

प्र ा, ि ा ि न ना ओ ।

१. पढ़ो :

पाई हटाकर जुड़ें हम

ग ा ष
 उ ा ि ा
 ष त र

हल लगाकर जुड़ें हम

ि ष र
 ष ा
 ा ि



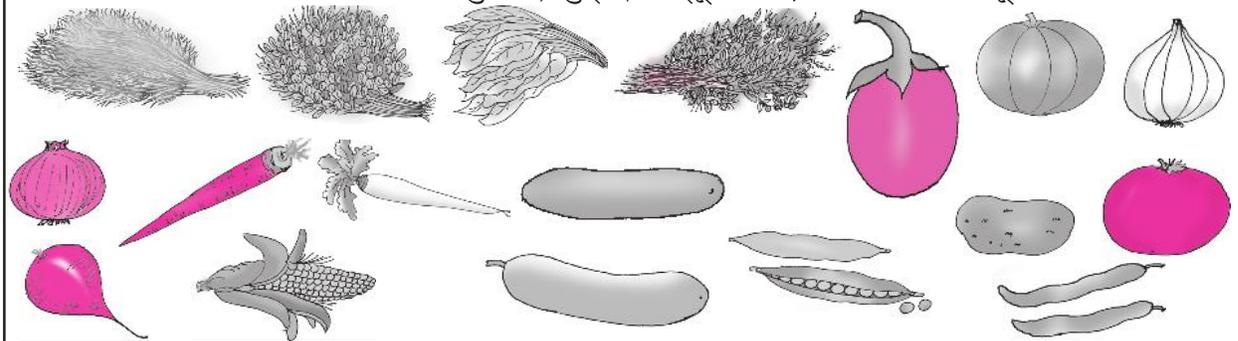
२. मुखर वाचन करो और अनुलेखन करो :

ौ ा, े, ा, ौ ा; र ि ाँ नो ाँ ।

ँ न, उ ष ा, उ न, ष ा; ा र, ष ष ष ाँ ।

ँ, र, ा ष ाँ; ा ा रो त्रि ना ओ ।

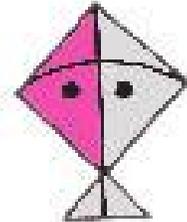
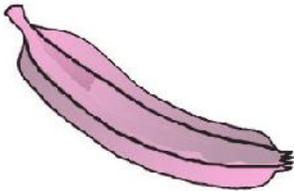
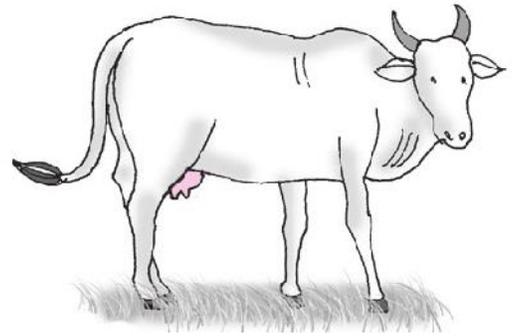
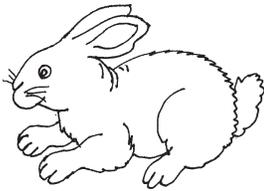
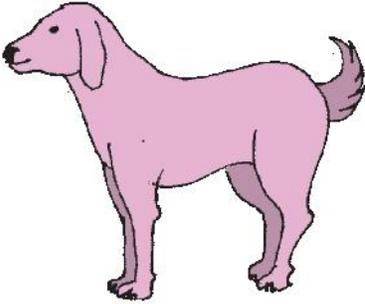
ँ र, उ ष ा, ष ाँ; र ा रो रू ाँ ॥



□ ष ा ा न खे े ष र र ि ा न े . र ि ि ि े ा र ाँ । त्रि े ा न र ि े न ाँ । ा ष ष ष ा र ेँ । ि उ े ि न ष ष े न ाँ ।

● ते रैरि ते:

ते रैरि ते



□ ररि त्रिंे नरिे नर (रि) रंरन (रे) रिंे रिंे तं। रै - जहाज = jahaj रि।

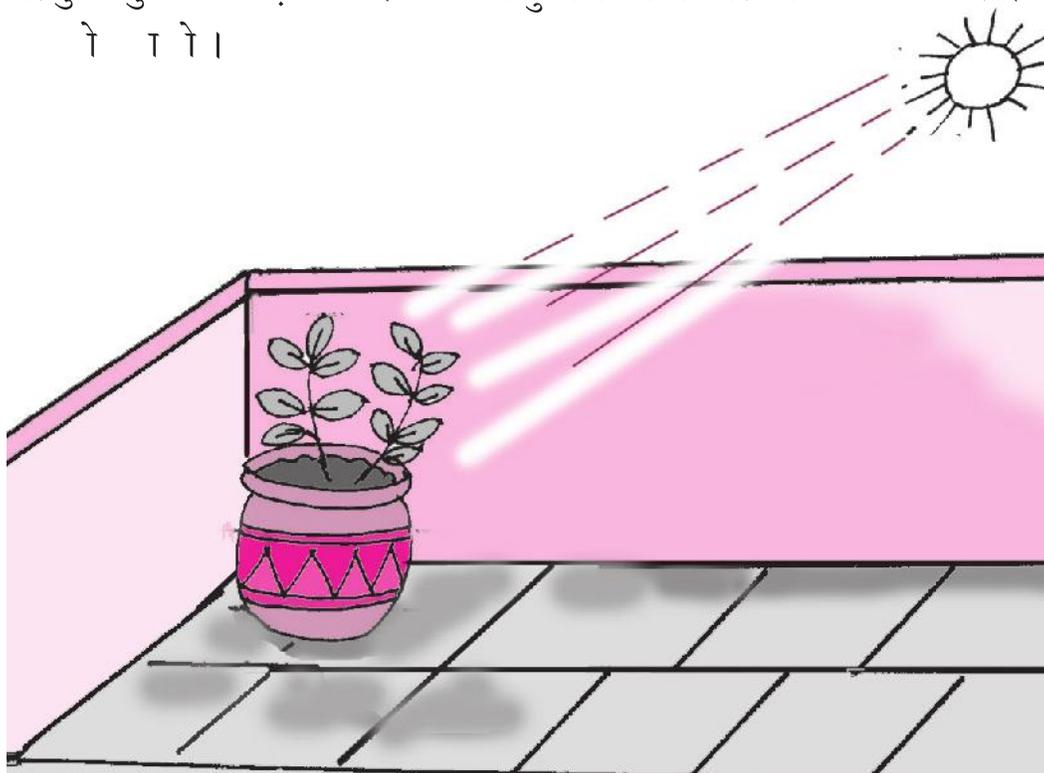
● तो रै ता तो :

१४. रि



प्रार े तो
 रे रै तो। तो
 री , ँ ना
 स्न ररो ँ
 रै तो
 रे तो रे
 स्न ररो
 ँ ना तो।
 ँ ना तो नों ता
 निर रो।

उ े तो रि े रा ता रि स्सै, उ े ते रे रि रे रै े ते
 उरा रै रि े . रै ता रै ता ? तो रै ता रै रि रो। ना
 निष् रि तो ता तो।



□ रि े ता रै ता रि स्सै, उ े ते रे रि रे रै े ते उरा रै रि े . रै ता रै ता ? तो रै ता रै रि रो। ना निष् रि तो ता तो।



*** रा - ४ ***

१. सुनो और दोहराओ :

५		रा/र ५।
६	ा	रा/र ६।
७		रे ७/र ७।
८	ा	रे ८/र ८।

९		रा ९/र ९।
१०	ा	रे १०/र १०।

२. तुम्हारे मित्र के पास कॉपी खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। तुम्हारी माँ ने मेला देखने के लिए तुम्हें तीस रुपये दिए हैं, इस स्थिति में तुम्हारे मन में कौन-से भाव जगते हैं, बताओ।

३. पढ़ो और समझो :

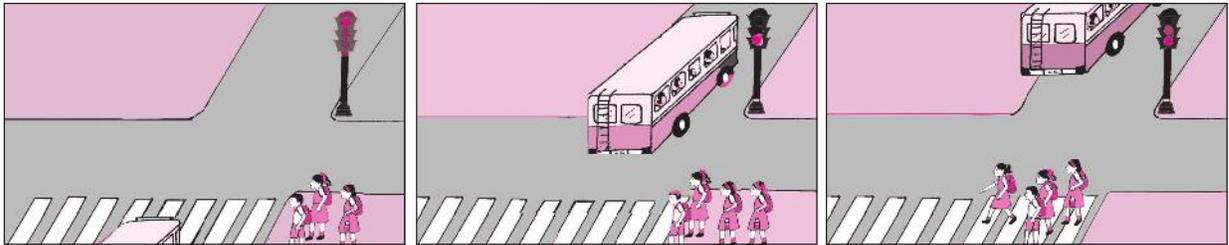
विद्यालय : ाँ िा ६।

खेल खेलने वाला : िा।

जादूगर : ाू िे ा।

सच बोलने वाला : ता।

४. गि े त्रिं ाा से रैगि र रे ाा र े, िे :



५. ा र े ा में रा े र गरा े ा सेगे, ाे :

() िे ा से। () े ने ा े। () ाा िुने ाा े। () ा से।

कृति/उपक्रम

भारत की पाँच विशेषताएँ सुनाओ।

परिसर में देखे हुए वृक्षों के नाम बताओ।

तेनालीराम की कहानियाँ पढ़ो।

तुम्हें कौन-सा खेल पसंद है और क्यों, लिखो।

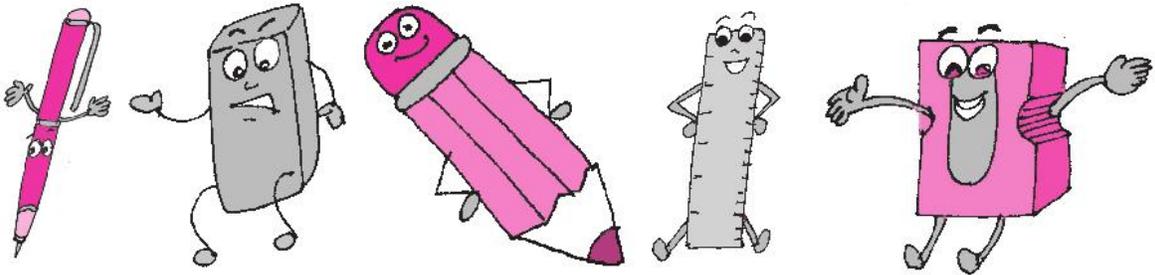
* शर् *

पहली इकाई

२. हवा : ा = राना; ि = स्त्रि; ँ ना = नृती ँ ना;
 ना = िर ना; ँ रना = ा-पर रना; ि = प्रा : ा , ेरा ।
 . माँ : प्रा = ार; ँ = ँर ; ि = शि ।
 ९. मोती जैसे दाँत : ि = ा; ँ ना = ेर े िना ।
 पुनरावर्तन- १ : र = िँ; े ा = ा ; े ा = ँर्; ेर = न स्ने ि
 रान ि; र = स्त्रि स्ने ा; उा = ो ना; र = प्ररी ा ।
 पुनरावर्तन- २ : े = ा; ो = े ; त्र = , ा; रि = त्रु;
 ै = रा, िँ, र ; िँ = र ा ा ।

दूसरी इकाई

२. लालची कुत्ता : रा = िी ा र ँ ा, ा; ि ना = . ना;
 िँ ा = शर् ि ; ँ ा = ँ ा र; ा = ा, ि ।
 . खिचड़ी : रना ा = ा ा; ि ा = ि ; िँ = . ।
 . जुड़े हम : र = िे ा ँ; र र = ि; ि ा = ि ति, न ।
 ९. भारत : नु = ेो; ँ ा = शर् िे ा ने ा; ँ ा = ूर;
 ँ र = ेर र िी र; प्रा = ँ े ने ा ।
 १ . () छुक-छुक गाड़ी : ा = ाँ; ा = न; लुन = ान ।
 १४. निरीक्षण : रर = निरो , रुर ; निषर् = निो ।
 पुनरावर्तन- ३ : ि ा = े िँ ; ि = ि; ँ न = ँ ा ।

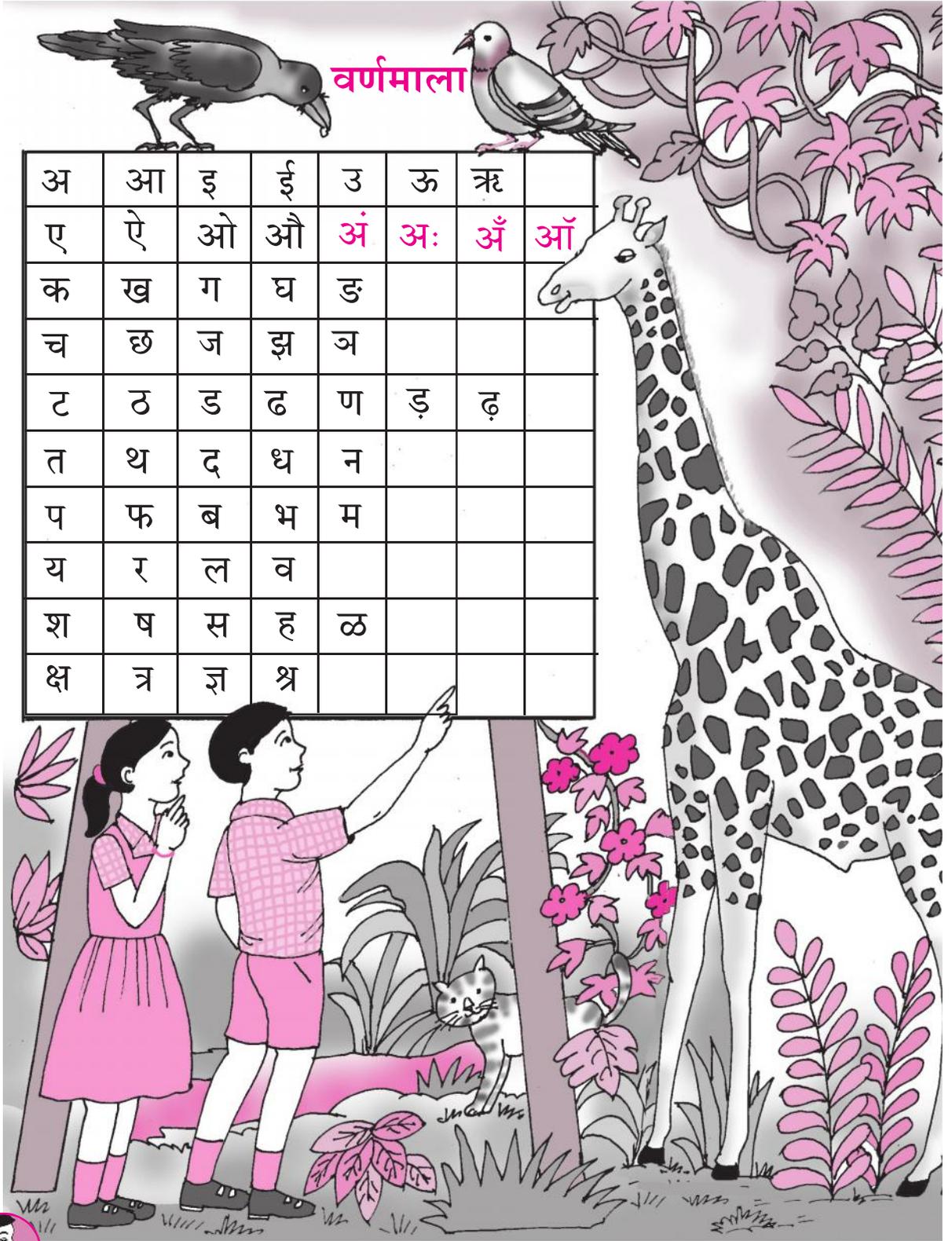


* उत्तर *

पुनरावर्तन -२, पृष्ठ क्र. १ , प्रश्न ४ का उत्तर :

ा, , न, रू, , ो, ँ, े, े, ँ, ँ, नारि ।

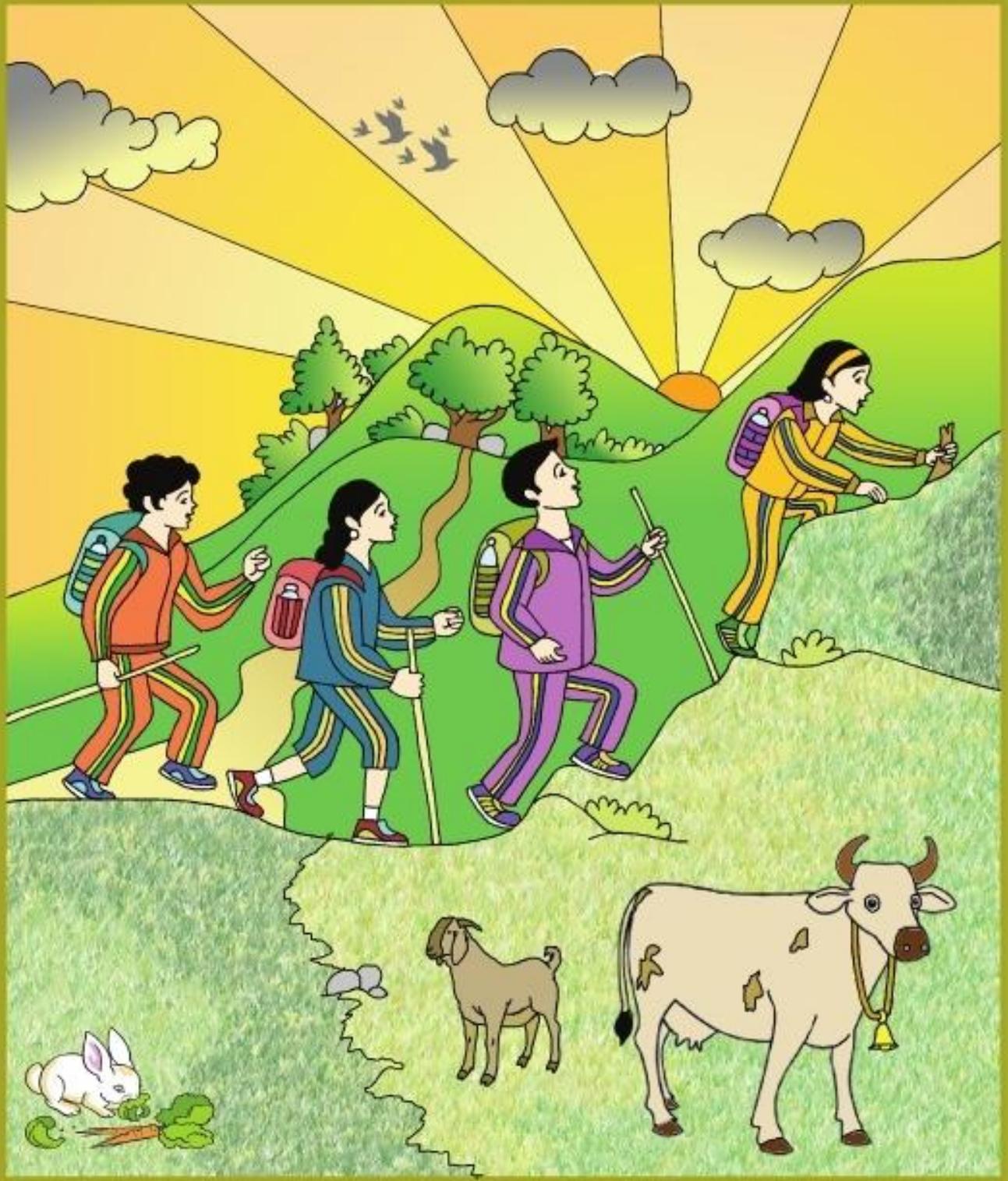
● ि े, े रै ा े:



१. वर्णमाला क्रम से पढ़कर सुनाओ ।



२. 'क' की बारहखड़ी लिखकर पढ़ो ।



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुगमभाषी इयत्ता पाचवी

₹ २१.००